एक परिवार ने यीशु की अराधना अपने घर पर की

इनमें से कोई भी बच्चों के सीखने की गति विधियों को चुन लें।

प्रार्थना: "प्रिय प्रभु विश्वासियों की कृपा कर सहायता कर कि वे लोगों को अपने घरों में इकत्रित कर सकें, उन्हें यीशु के विषय में बतायें और आपकी अराधना करें।"

एक बड़े बच्चे या शिक्षक को पढ़ने दें या **प्रेरित 16:22-36** से फिलिप्पी के दरोगा की कहानी अपनी याद से बतायें। ये दिखाती है कि कैसे एक परिवार ने अपने घर पर परमेश्वर की अराधना की।

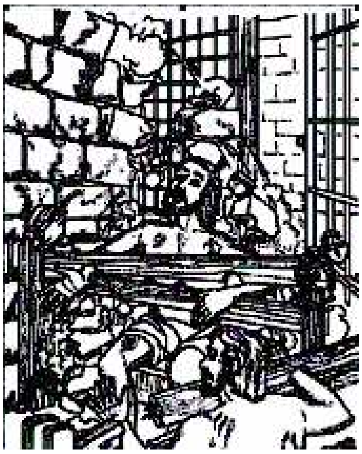

कहानी बताने के बाद ये प्रश्न पूछिये। *(उत्तर हर प्रश्न के अन्त में है)*

- हाकिमो ने पौलुस और सीलास के साथ कैसा व्यवहार किया? *(पद 23-24)*
- पौलुस और सीलास बन्दीगृह में आधी रात को क्या कर रहे थे? *(पद 25)*
- दारोगा क्यों अपने आप को मार डालना चाहता था? *(पद 26-27)*
- दारोगा और उसके परिवार ने किस प्रकार उद्धार पाया? *(पद 31)*
- रात के किस पहर में दारोगा और उसके परिवार ने बपतिस्मा लिया? *(पद 25 एवं 32-34)*

दारोगा और उसके परिवार की कहानी के हिस्से को **नाटक** का रूप दें।

- मुख्य अराधना की मंडली के अगुवे के साथ बच्चों को ये संक्षिप्त नाटक प्रस्तुत करने का प्रबन्ध करें।
- बच्चों के साथ नाटक तैयार करने के लिये अपना समय लगायें। आपको सभी हिस्सों को इस्तेमाल करने की ज़रूरत नहीं है।
- नाटक तैयार करने के लिये बड़े बच्चे छोटे बच्चों की सहायता करें।
- बड़े बच्चों या बड़ो को ये भूमिका करने दें:

  पौलुस

  दारोगा: चैन दिखाने के लिये 2 रस्सी को और तलवार के लिये कुछ और लो।

  प्रवक्ता: कहानी का सारांश बताएँ। मेज के किनारे पत्थरों या किताब का ढेर बनायें।
- **छोटे बच्चे** सीलास, हाकिमों कैदियों औद दारोगा के परिवार की भूमिका निभायें।

प्रवक्ता: प्रेरित 16:22-28 से कहानी का प्रथम हिस्सा बताये। तब कहें, "सुनो कि हाकिम क्या करते हैं"

हाकिम: "दारोगा! पौलुस और सीलास को बन्दीगृह में डालो। उन्हें पीटो और सावधानी से उनकी चौकसी करो!"

दारोगाः उनके टखनो को "चैन" से लिपटता है (गांठ लगायें) तब कहता है, "मैं उन्हें चैन से बांध कर अन्दर के कोठरी में रखूंगा और अपने जीवन से उनकी चौकसी करूँगा"

पौलुस और सीलासः "मेज के नीचे बैठकर भजन गाते हैं"।

दारोगाः "मूंडोल"! (मेज हिलती और पत्थर या किताबें गिर जाती हैं)

पौलुस और सीलासः "चैन" निकाल कर सीधे खड़े हो जाते हैं।

कैदीः "हम स्वतंत्र है, दरवाजे खुल गये हैं"

दारोगाः तलवार उठाता और कहता है, "ओह! नहीं! सब कैदी खुल गये हैं, मैं अपने आप को मार डालूंगा!"

पौलुसः चिल्लाता है, "नहीं! महाशय! अपने आप को ना मार डालो हम सब यहाँ पर हैं!"

प्रवक्ताः प्रेरित 16:29-33 से कहानी का दूसरा भाग बताता है। तब कहता है, "सुनो कि दारोगा क्या कहता है"।

दारोगाः "बत्ती लाओ! मैं पौलुस और सीलान को देखना चाहता हूँ" तब पौलुस और सीलास के आगे घुटने टेककर जोर से पूछता है, "उद्धार पाने के लिये मैं क्या करूँ"?

पौलुसः "प्रभु यीशु पर विश्वास कर लो तू और तेरा घराना उद्धार पायेगा"।

दारोगाः का परिवारः "हम भी यीशु पर विश्वास करना चाहते हैं"।

दारोगाः "आइये आपके घावों को साफ कर दूँ। तब हम सब आज रात बपतिस्मा ले लेंगे"।

प्रवक्ताः प्रेरित 16:34-36 से कहानी का तीसरा भाग बताता है। तब कहता है, "सुनो कि दरोगा पौलुस और सीलास से क्या कहता है"।

दारोगाः "मैं आनन्द से भर गया हूँ क्योंकि मेरे पूरे परिवार ने विश्वास किया और बपतिस्मा लिया है। आइये आपके लिये मेरे घर में भोजन है"।

हाकिमः मेज के ऊपर ठोंक कर कहता है, "दरोगा जी नमस्कार, आप पौलुस और सीलास को स्वतंत्रता से जाने दे सकते हैं"।

दारोगाः "भाइयो, मेरे परिवार को यीशु का शुभ समाचार देने के लिये धन्यवाद शान्ति से जाओ!"

प्रवक्ता या बड़ा बच्चाः जब नाटक समाप्त हो गया जिन्होंने सहायता की उन्हें धन्यवाद दीजिए।

प्रश्नः यदि बच्चे इस कहानी को बड़ो के लिये नाटक का रूप देते हैं तो उन्हें ऊपर दिये गये प्रश्नो को पूछने दें जिसका उत्तर आप ने (ऊपर) देखा है।

बच्चों से पूछेंः वे कौन से उदाहरण हैं जिनसे हम अपने घरों में परमेश्वर की आराधना और सेवा कर सकते हैं?

एक साधारण घर की तस्वीर बनायें जो आपके शहर में हैं। बच्चों को उसकी नकल करने दें और आराधना के समय तस्वीर बड़ों को दिखायें और बतायें कि हम परमेश्वर की आराधना घर में या कहीं भी कर सकते हैं।

यूहन्ना 4:24 को **कंठस्त करो**

कविता: तीन बच्चों को भजन 136:1-6 की दो आयतों को सुनाने दें। पूरे झुण्ड से कहे कि हर वाक्य के पीछे दोहरायें, "उसका प्रेम सर्वदा रहता है"

बड़े बच्चों को कविताएं और गीत घरों में आराधना के लिये मिलने पर लिखने दें।

प्रार्थना: "प्रिय प्रभु धन्यवाद कि हम आपकी अराधना कहीं भी किसी भी समय कर सकते हैं। यदि हम छोटे झुण्ड में हैं तो इससे फर्क नहीं पड़ता। धन्यवाद कि आप हमारे पूरे परिवार को अपने पास लाते हैं। हमे अपने पूरे ह्रदय से आपकी आरधाना करने में सहायता करें"।

यदि आप बच्चों को पढ़ाते हैं और अभी तक पी. टी. अध्ययन बच्चों के शिक्षकों के लिये मार्ग दर्शिका ए ओ बी, कृपा कर अभी पढ़ें।